||श्रीहरिः||

||बालबोधिनी पाठशाला, वापी ||

अनुक्रमणिका पाठ्यक्रम - १ पृष्ठ

1. वैष्णव बालक के आचरण..... 3

1.1) स्नान करते समय का श्लोकः- 5

1.2) चरणामृत लेते समय का श्लोकः- 5

नित्यपाठ-स्तोत्र

2) मंगलाचरण..... 5

3) श्रीयमुनाष्टकम्..... 7

4) श्रीसर्वोत्तम स्तोत्र..... 10

5) श्रीवल्लभाष्टकम्..... 14

6) चतुःश्लोकी..... 15

7) कृष्णाश्रय..... 16

8) श्रीगिरिराजधार्याष्टकम्..... 17

9) षोडशग्रन्थ का श्लोकः- 19

10) षोडशग्रन्थ के नाम तथा उनकी रचना कौनसे वैष्णव के लिए की गई हैं:- 19

11) श्रीमहाप्रभुजी की बिरुदावली 20

12) छड़ी पुकार 20

13) जयकार 20

पाठ्यक्रम

14) अलौकिकमे श्रीठाकुरजी तथा गुरुदेव को संबोधन करने वाले शब्द 21

15) भक्तिसेतु: में बिराजमान सेव्य स्वरूपों की सूची..... 21

16) भक्तिसेतु: में बिराजमान श्रीवल्लभकुल बालकों के नाम 22

17) शिक्षा 1 से 25 (अनुवाद सहित) 23

18) श्रीमहाप्रभुजी के पूर्वजों की सूची..... 27

19) सात बालक..... 28

20) नव निधि स्वरुप..... 32

21) अष्टसखा के नाम तथा लीला भावना..... 37

धोळ-पद

22) जय श्रीवल्लभ.. 40

23) श्रीयमुनाजी की आरती.....41

कीर्तन संग्रह

24) बधाई कीर्तन..... 42

1. प्रीत बँधी श्रीवल्लभ पदसों (राग-आसावरी) 42

2. बधाई को दिन नीकौ आज (राग-सारंग) 42

3.प्रकट भई रावल श्रीराधा (राग-बिलावल) 43

4. जुगजुग राज करो श्रीगोकुल (राग-बिहाग) 43

25) हमारौ दान दै हो गुजरैटी - दान एकादशीनु कीर्तन (राग-देवगंधार) 44

26) झुलत गोकुलचंद हिन्डोरें - हिंडोला नु पद (राग-मालव) 44

27) द्वितीय विलास कियौ श्यामाजू - विलासनु कीर्तन (राग-मालव) 44

28) परम कृपालु श्रीवल्लभनंदन (राग-कान्हरो) 45

29) श्रीवल्लभ प्रभु करुणा सागर (राग-बसंत) (खेलना 40दिवसमां) 45

30) आश्रय के पद – (राग बिहाग) 46

1. श्रीगोवर्धन की रहिये तरेटी.. 46

2. आशरो एक दृढ़ श्रीवल्लभाधीश को.. 46

3.कृष्ण श्रीकृष्ण शरणं मम उच्चरे 47

4. एक पलक जो रहिये वृन्दावन.....47

5. दृढ़ इन चरनन करो.....48

6. बड़ो धन हरिजनकों हरि नाम.....48

7. भरोसों श्रीवल्लभ ही को भारी.....48